आओ घर को सजादे गुलशन सा

आओ घर को सजा दे गुलशन सा
मेरे बाबोसा आने वाले है
कलिया न बिछाना राहों में हम खुद को बिछाने वाले है,
आओ घर को सजा दे गुलशन सा .....

ये कितने दिनों के बाद है आई ,
आज मिलन की बेला है,
कई दिन गुजारे है यादों में ,
ये दर्द जुदाई का झेला है,
हो हो हो हो हो...

वो दर्श दिखाकर के बाबोसा ,
अपना बनाने वाले है,
कलिया न बिछाना राहों में हम खुद को बिछाने वाले हे.
आओ घर को ....

बाबोसा कही हो ना जाये ,
इस जग में मेरी हंसाई ,
राह निहारे तेरी हम ,
क्यों इतनी देर लगाई
हो हो हो हो हो...
पलको के रास्ते हम " दिलबर " तुम्हे दिल मे बसाने वाले है
कलिया न बिछाना राहों में हम खुद को बिछाने वाले हे

आओ घर को ....

□□□□□
✍️ रचनाकार ✍️
दिलीप सिंह सिसोदिया
❤️ दिलबर ❤️
नागदा जक्शन म.प्र .

Source: https://www.bharattemples.com/aao-ghar-ko-sajade-gulshan-sa/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw